VIBRANT GANGA

यमुना नदी

जीवन का अमृत

नमामि गंगे

भारतीय वन्यजीव संस्थान
Wildlife Institute of India

विस्तृत जानकारी

- यमुना नदी गंगा की सबसे लम्बी और जल आयतन के हिसाब से दूसरी सबसे बड़ी सहायक नदी है।
- यह उत्तराखण्ड के निचले हिमालयी क्षेत्र बंदरपूछ की चोटियों के दक्षिण–पश्चिमी ढलानों में 6,387 मीटर समुद्र तल की ऊँचाई पर स्थित यमुनोत्री हिमनद (ग्लेशियर) से निकलती है।
- यह नदी उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश राज्यों से हो कर बहती है।
- यमुना नदी तीन जैव–भौगोलिक क्षेत्रों से होकर बहती है, – हिमालय (2बी पश्चिमी हिमालय), अर्द्धशुष्क (4 ए पंजाब के मैदान) और गंगा के मैदान (7 ए ऊपरी गंगा के मैदान)
- टोंस, हिण्डन, चंबल, बेतवा, सिंध, केन यमुना नदी की प्रमुख सहायक नदियॉ हैं।
- यमुना बेसिन में राष्ट्रीय चंबल अभ्यारण पहला संरक्षित क्षेत्र है जिसको जलीय आवास और मुख्य जलीय प्रजातियों जैसे–घड़ियाल को संरक्षित करने के लिए अधिसूचित किया गया है। यमुना बेसिन में राष्ट्रीय चंबल अभ्यारण के अलावा सोन नदी अभ्यारण और केन अभ्यारण भी घड़ियाल के संरक्षण के लिए समर्पित है।

मुख्य विशेषताऐं

- यमुना नदी कुल 1,376 किलोमीटर की यात्रा तय करती है और इसका जलसंभर क्षेत्र 366,223 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ हैं। लगभग नदी बेसिन 22,517 वर्ग किलोमीटर वनावरण आता है।
- अनेक सहायक नदियॉ यमुना से जुड़ती है और इसको चौथे क्रम की नदी में बदल देती है।
- यमुना के किनारे 152 पौधों की प्रजातियॉ पाई जाती है, जो 56 फैमली से संबधित हैं।
- यमुना नदी मे मछलियों की कुल 139 प्रजातियॉ है, जो 78 जीनस और 33 फैमली से सम्बंधित पाई गई है। विशेष रूप से नदी हिमालयी क्षेत्र में गोल्डन महासीर और स्नो ट्राउट को ठंडे पानी का अनूकुल आवास प्रदान करती हैं।

यमुना नदी को तीन क्षेत्रों मे विभाजित किया गया है–

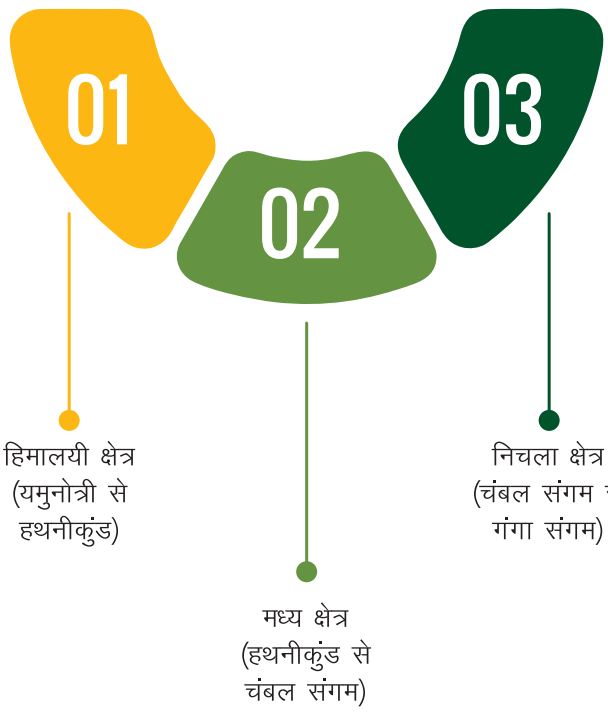

- 6 कछुओं की प्रजातियॉ यमुना नदी में पाई गई हैं, जिनमें *पंगशुरा टेंटोरिया, बटागुर कछुगा, बटागुर ढोंगोंका, निल्सोनिया गैंजेटिका* और *चित्रा इंडिका* आते है।
- यमुना बेसिन मे ओखला पक्षी अभ्यारण से पक्षियों की कुल 126 प्रजातियॉ जो 18 ओडर और 44 फैमली और हथनीकुंड बैराज से 57 पक्षियों की प्रजातियॉ जो 8 ओडर तथा 17 फैमली से संबधित पाई जाती हैं
- यमुना बेसिन मे आगरा का अर्द्धशुष्क क्षेत्र में मेढकों की 5 प्रकार की प्रजातियॉ पाई जाती है।
- नदी संकटग्रस्त गांगेय डॉल्फिन और गंभीर रूप से संकटग्रस्त घड़ियाल का भी निर्वाह करती हैं।

संकटग्रस्त (EN) प्रजातियॉ

सरीसृप
चित्रा, पचेरा

पक्षी
पनचीरा, काली टहेरी

मछली
गोल्डन महासीर

स्तन धारी
गांगेय डॉल्फिन

गंभीर रूप से संकटग्रस्त (CR) प्रजातियॉ

सरीसृप
घड़ियाल,
लाल सिर कछुआ,
ढोन्ड

प्रमुख संरक्षित क्षेत्र

- गोंविद पशु बिहार राष्ट्रीय उद्यान
- चूड़धार अभ्यारण
- ओखला पक्षी अभ्यारण्य
- सरिस्का राष्ट्रीय उद्यान
- केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान
- केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान
- पन्ना राष्ट्रीय उद्यान
- सूर सरोवर पक्षी अभ्यारण्य
- राष्ट्रीय चंबल घड़ियाल अभ्यारण्य

रोचक तथ्य

- हिंदु पौराणिक कथाओं में यमुना को कछुए की सवारी करने वाली देवी के रूप मे दर्शाया गया है और भगवान कृष्ण से जुडी लोककथाओं के साथ घनिष्ठ रूप से जोडा जाता हैं।
- ऐसा माना जाता है, की यमुना का उदगम यम की बहन यामी के आँसुओं से हुआ है। यमुना को कालिंदी नाम से भी जाना जाता है।
- यूनेस्को (UNESCO) द्वारा कुंभ मेले को एक सांस्कृतिक धरोहर के रूप में जाना जाता है। यह हर 12 साल बाद प्रयागराज मे आयोजित किया जाता है जहॉ यमुना और सरस्वती नदी का सगंम गंगा मे होता है।।
- ताजमहल, यूनेस्को (UNESCO) विश्व धरोहर स्थल जो अपनी मुगल वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है, उत्तर प्रदेश के आगरा में यमुना नदी के दाहिने किनारे पर स्थित है।

नदी-परिदृश्य (रिवरस्केप) को बदलने वाले कारक

- यमुना नदी पर 6 प्रमुख बॉध है – डाकपत्थर बैराज, हथ्नीकुंड बैराज, आईटीओ (ITO) बैराज, वजिराबाद बैराज, ओखला बैराज और गोकुल बैराज। इन बांधों की वजह से यमुना नदी का जल प्रवाह बाधिंत हो गया है, जिससे जलीय आवास में बदलाव हुआ है।
- बढ़ते शहरीकरण और पर्यटकों की संख्या में निरंतर वृद्वि से ठोस एवं तरल कूड़ा–कचरा बढ रहा है जिसे यमुना एवं उसकी सहायक नदियों में फेंक दिया जाता हैं।
- मुख्य शहरों जैसे– यमुना नगर, करनाल, पानीपत, सोनीपत, दिल्ली, आगरा आदि के घरों और उघोगों से निकलने वाला गंदा पानी यमुना नदी में बहा दिया जाता है। इसमे से लगभग 60% गंदा पानी बिना उपचार के यमुना नदी में छोड़ा जाता है।
- यमुना नदी के तल पर अवैध खुदाई एक अन्य मुख्य कारण है, जिससे नदी का प्रवाह प्रभावित हो रहा है।
- नदी किनारे की कृषि भूमि मे रासायनिक कीटनाशकों और उर्वरकों का अत्यधिक उपयोग से नदी के जल मे रासायनिक भार बढ़ रहा है।

एन एम सी जी
राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन
जल शक्ति मंत्रालय
जल संसाधन, नदी विकास और
गंगा संरक्षण विभाग,
मेजर ध्यानचंद्र स्टेडियम, नई दिल्ली–110001

भारतीय वन्यजीव संस्थान
Wildlife Institute of India

GACMC
GANGA AQUALIFE CONSERVATION MONITORING CENTRE
भारतीय वन्य जीव संस्थान
पोस्ट बॉक्स न. 18, मोहब्बेवाला, देहरादून–248002, उत्तराखंड
फोन न.- 91-135-260112-115
wii.gov.in/nmcg_phase2_introdution